No. of Printed Pages : 4

MESE-058

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2015

00751

MESE-058 : EDUCATIONAL AND VOCATIONAL GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) **All** the questions are **compulsory**.*

*(ii) **All** the questions carry **equal** weightage.*

---

1. Answer the following question in about **600** words :

Critically evaluate the need and importance of guidance for school children. Describe various situations and problem areas where guidance services may be required.

OR

'Teacher is a discoverer of student's potential'. Comment. Explain the role of teacher in helping students to realize their potentials with suitable examples.

2. Answer the following question in about **600** words :

Explain qualitative technique of assessment in guidance. How would you use the results of assessment for guiding the students ?

OR

Explain various situations where you would use group guidance technique. Mention different steps involved in this technique.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Discuss the scope of career guidance.

   (b) What are the aspects of mental development at the early childhood stage ?

   (c) Differentiate quantitative and qualitative techniques of assessment in guidance.

   (d) Explain the types of interviews.

   (e) Plan a guidance programme at Senior Secondary stage.

   (f) Discuss in brief the modalities of non-verbal communication.

4. Answer the following question in about **600** words :

   You as a teacher might have observed many difficulties that your students have at the secondary stage relating to their studies and behaviour. For solving their difficulties what guidance activities would you like to conduct for them ? Explain with examples.

एम.ई.एस.ई.-058

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.ई.एस.ई.-058 : शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (i) ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :
विद्यालयी बच्चों के लिए निर्देशन की आवश्यकता और महत्व का समालोचनात्मक मूल्यांकन करें। ऐसी विभिन्न स्थितियों तथा संदिग्ध क्षेत्रों का वर्णन करें जहाँ निर्देशन सेवाओं की आवश्यकता हो सकती है।

अथवा

"अध्यापक विद्यार्थियों की क्षमताओं का अन्वेषक होता है।" इस पर टिप्पणी करें। उपयुक्त उदाहरण देते हुए, विद्यार्थियों को उनकी क्षमताओं की प्राप्ति में सहायता करने संबंधी अध्यापक की भूमिका की व्याख्या करें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :
निर्देशन में प्रयुक्त होने वाली मूल्य निर्धारण की गुणात्मक तकनीकों को स्पष्ट करें। मूल्य निर्धारण के परिणामों का उपयोग आप विद्यार्थियों को निर्देशित करने में कैसे करेंगे ?

अथवा

उन विभिन्न स्थितियों को समझाएँ जहाँ आप समूह निर्देशन तकनीकों का उपयोग करेंगे। इस तकनीक में निहित विभिन्न चरणों का उल्लेख करें।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** का उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों में हो :

   (a) जीविका निर्देशन के कार्यक्षेत्र की विवेचना करें।

   (b) पूर्व बाल्यकाल अवस्था में मानसिक विकास के विभिन्न पक्ष कौन-से हैं?

   (c) मूल्य निर्धारण और निर्देशन की गुणात्मक और परिमाणात्मक तकनीकों का अन्तर स्पष्ट करें।

   (d) विभिन्न प्रकार के साक्षात्कारों को स्पष्ट करें।

   (e) वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर एक निर्देशन कार्यक्रम की योजना बनाएँ।

   (f) अशाब्दिक संप्रेषण के ढंगों की संक्षिप्त विवेचना करें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

   एक अध्यापक के रूप में आपने अपने विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर पर उनके अध्ययन और व्यवहार संबंधी विभिन्न परेशानियों से जुझते हुए देखा होगा। इन परेशानियों को हल करने के लिए किस प्रकार के निर्देशन क्रियाकलाप उनके लिए संचालित करना चाहोगे? उदाहरण देकर स्पष्ट करें।